समां

अब है समां जिस का था इंतिज़ार,
नैया ये सब कॅे ले जाऐगी उस पार,

अब है समां ना दे किसी को दोष
गुज़र जाएगा ये भी गर ना कीया कुछ होश,

अब है समां उठ चल पीछे छोड़,
मन को घेरे ये तंग दीवारें तोड़,

अब है समां चल उड़ ऊंचे आसमान,
साहस से जी, कर सब का सम्मान

अब है समां, कर वो जो ना कर पाऐ थे कल
बाँट ले ये आज़ादी, ये अक़्ल, ये ख़ुशी के पल

वो जो रोशनी के होगा सम्मुख,
उसीके इंतजार में हैं सब चमत्कार और सुख,

अब है समां.....